37वीं वार्षिक सामान्य बैठक में अध्यक्षीय अभिभाषण, 17 सितम्बर, 2013

हमने दिखाई राह दूसरों के अनुसरण के लिए

"लगभग 26,000 दक्ष और वचनबद्ध 'टीम एनटीपीसी' सदस्यों की ओर से मैं आपकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए हमारे संपूर्ण समर्पण और अथक प्रयासों का आश्वासन देता हूँ।"

प्रिय शेयरधारक साथियों,

आपकी कंपनी की इस 37वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी है।

पिछले दिनों अनेक चुनौतियों के बीच आपकी कंपनी की वृद्धि में पर्याप्त तेजी आने से मुझे यह आश्वासन देने का बढ़ावा मिला है कि कंपनी आने वाले वर्षों में अपनी वृद्धि जारी रखेगी और वैश्विक तथा राष्ट्रीय व्यापार के क्षितिज में उठने वाले मुद्दों के बावज़ूद तरक्की करेगी।

आर्थिक चिंताओं के बीच ठोस वृद्धि का दृष्टिकोण

पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं सहित भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक वित्तीय संकट के अब तक सामने आते आघातों की पकड़ में है जो 2008 में शुरू हुआ था। वैश्विक संकट से निपटते हुए आरंभिक नम्यता दर्शाने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था भी अधोगामी तल में पहुंच गई है।

एनटीपीसी जैसे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम ने संकट की कुछ तरंगों से निपटने में भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा दिखाए गए लचीलेपन में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।

मेरे पास इसे मानने का सशक्त आधार है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चाहे तूफान का सामना करे, यह एनटीपीसी जैसे उद्यमों की सहायता से वांछित वृद्धि प्रक्षेपण दोबारा प्राप्त कर लेगी। वर्तमान आर्थिक मंदी के बावज़ूद देश को अपनी वृद्धि की गति दोबारा अर्जित करने के लिए कार्य करना है। एनटीपीसी इस प्रक्रिया के वृद्धि प्रेरकों में से एक होगी।

सभी अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बीच ऐसे कुछ बहुत सशक्त कारक हैं जो विद्युत क्षेत्र और आपकी कंपनी के लिए एक मज़बूत वृद्धि दृष्टिकोण रखते हैं :

- बढ़ती जनसंख्या में वृद्धि, जीवन के स्तर में वृद्धि, बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिक विकास के कारण भारत में बिजली की मांग बढ़ना अनिवार्य है।
- भारत की विशाल विद्युत क्षमता की आवश्यकता 2032 तक 9 प्रतिशत की वृद्धि के लिए 960 गीगावॉट और 8 प्रतिशत जीडीपी की वृद्धि के लिए 778 गीगावॉट के रूप में आकलित की गई है।
- विद्युत क्षेत्र में बड़े निवेश की संकल्पना की गई है (12वीं योजना में लगभग 15 लाख करोड़ रुपए। 12वीं योजना का क्षमता वर्धन लक्ष्य लगभग 88,500 मेगावॉट है।)

2012–13 में ठोस समग्र निष्पादन का स्तर ऊपर उठाना

वर्ष 2012–13 के दौरान आपकी कंपनी के निष्पादन से प्रदर्शित हुआ है कि हम वृद्धि और उत्कृष्ता के उच्च स्तर तक पहुंच रहे हैं। समग्र ठोस निष्पादन के कुछ विशेष बिन्दु हैं :

- एक अकेले वर्ष में अब तक के उच्चतम स्तर तक 4,170 मेगावॉट क्षमता का वर्धन।
- 8,521 मेगावॉट के कार्य के लिए संविदाएं सौंपना।
- पिछले वर्ष से 24.58 प्रतिशत से अधिक 19,925.53 करोड़ रु. का पूंजी व्यय (कैपेक्स)।
- अखिल भारतीय 69.95 प्रतिशत पीएलएफ की तुलना में 6 स्टेशनों द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ के साथ 83.08 प्रतिशत औसत पीएलएफ।
- पिछले वर्ष के पीएटी में 36.81 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12,619.39 करोड़ रु. का अब तक का सबसे अधिक कर पश्चात निवल लाभ (पीएटी)।
- आज शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन 5.75 प्रति शेयर (कुल 4,741.16 करोड़ रुपए) का अब तक का सबसे अधिक लाभांश।
- भारत सरकार की 9.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए ''बिक्री प्रस्ताव'' के दौरान 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (11,469.39 करोड़ रु.) की रकम संचित की गई, जिसे विदेशी निवेशकों से आने वाली 45 प्रतिशत राशि के साथ 1.7 गुना ओवर सबस्क्राइब किया गया।
- कैबिनेट द्वारा लंबे समय से लंबित डेसू की 2520.07 करोड़ रु. की राशि के भुगतान को मंजूरी।

तीव्र क्षमता वर्धन, उच्च दक्षता और प्रतिस्पर्द्धी लागत पर विद्युत के माध्यम से क्षेत्र का स्थायी नेतृत्व

आप जानना चाहेंगे कि कंपनी ने अपनी शुरूआती 10,000 मेगावॉट क्षमता के निर्माण में 10 वर्ष का समय लिया, अगले 10,000 मेगावॉट क्षमता के निर्माण में 11 वर्ष का समय लिया और तीसरे ब्लॉक में 10,000 मेगावॉट क्षमता के निर्माण में 7 वर्ष का समय लिया तथा 40,000 मेगावॉट से अधिक की कंपनी बनने के लिए अंतिम लगभग 10,000 मेगावॉट के निर्माण में केवल 3 वर्ष और 3 माह का समय लिया। इस प्रकार पिछले 39 माह में 41,184 मेगावॉट की कुल क्षमता का लगभग एक चौथाई भाग कमिशन किया गया है।

आपकी कंपनी अपने आकार और दक्षता के संदर्भों में भारतीय विद्युत क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर है और यह अत्यंत उच्च दक्षता कारक दर्शाते हुए देश की कुल क्षमता में 18.44 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ कुल विद्युत उत्पादन में 27 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है।

आपकी कंपनी भारत में विद्युत की अल्पतम लागत वाली उत्पादक कंपनी है जिसका समग्र प्रशुल्क 2.96 रुपए प्रति यूनिट है।

आपकी कंपनी 35 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में से 32 में विद्युत पहुंचाती है। जिससे यह भौगोलिक दृष्टि से विविध ग्राहक आधार के साथ सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय विद्युत कंपनी बन गई है।

निवेश के स्तरों में अपार वृद्धि और भावी सशक्त वृद्धि

आपकी कंपनी का वर्षवार कैपेक्स 2009–10 में लगभग 10,500 करोड़ रुपए के स्तर से 2012–13 में लगभग 20,000 करोड़ रु. हो गया है।

वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान 19,926 करोड़ रुपए (स्टैंड एलोन) के रिकॉर्ड कैपेक्स की तुलना वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान 15,994 करोड़ रुपए के साथ करने पर इसमें लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आपकी कंपनी के पास निविदा अधीन लगभग 5,000 मेगावॉट और 20,579 मेगावॉट की क्षमता निर्माणाधीन है।

विश्वसनीय और किफायती विद्युत उत्पादन के लिए दीर्घ अवधि ईंधन सुरक्षा

आपकी कंपनी में 31.03.2009 तक कमिशन की गई 23,895 मेगावॉट यूनिटों के लिए दीर्घ अवधि कोयला आपूर्ति करार (सीएसए) है। इस अवधि के दौरान कमिशन की जाने वाली 13,510 मेगावॉट की अतिरिक्त क्षमता के लिए (3890 मेगावॉट संयुक्त उद्यम क्षमता सहित) 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2015 तक की अवधि के दौरान आपकी कंपनी की व्यापार इकाइयों में कोल इंडिया लि. की सहायक कंपनियों के साथ सीएसए पर हस्ताक्षर किए हैं।

कोयला खनन परियोजनाओं का विकास

आपकी कंपनी को दो बिलियन टन के अनुमानित भौगोलिक आरक्षित भंडार के साथ चार कोयला ब्लॉकों का आवंटन किया गया है। पिछले समय में एनटीपीसी को आवंटित 3.7 बिलियन टन के अनुमानित भौगोलिक भंडारों के साथ इसमें 6 कोयला खनन ब्लॉक जोड़े गए, इन नए खनन ब्लॉकों से आपकी कंपनी का कोयला आरक्षित भंडार 5.7 बिलियन टन तक पहुंच गया है।

वृद्धि की आवश्यकताएं पूरी करने के साथ ग्रह के प्रति संवेदनशीलता

विद्युत उत्पादन की प्रति यूनिट पर कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में कमी लाने के लिए आपकी कंपनी द्वारा किए गए समग्र उपायों से 34 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को रोका गया है, जिसमें से 2.15 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड वर्ष 2012–13 में रोकी गई है।

आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्वच्छ उत्पादन

औसतन सब क्रिटिकल (उपक्रांतिक) संयंत्रों में लगभग 35 प्रतिशत रूपांतरण दक्षता स्तरों से आपकी कंपनी सीपत में (3×660) मेगावॉट यूनिटों से आरंभ करते हुए अपने विद्युत स्टेशनों में सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी को अपनाकर 38–39 प्रतिशत दक्षता स्तर तक पहुंच गई है।

आपकी कंपनी की योजना 13वीं योजना के दौरान 45 प्रतिशत की रेंज में रूपातंरण दक्षता स्तर तक पहुंचने की है।

यह उल्लेखनीय है कि रूपांतरण दक्षता में प्रत्येक एक प्रतिशत की वृद्धि से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 2.5 प्रतिशत की कमी होती है।

आप यह जानना चाहेंगे कि आपकी कंपनी इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च (आईजीसीएआर) और बीएचईएल के सहयोग से अत्यधिक रूपांतरण दक्षता के साथ उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के लिए अत्यंत उच्च ग्रेड की सामग्री के विकास में संलग्न है।

यह प्रयास पूरी दुनिया में किए जाने वाले तीन प्रयासों में से एक है, अन्य दो अमेरिका और जापान में हैं।

संवेदनशीलता के साथ और सचेत रहकर पर्यावरण का प्रबंधन

पर्यावरण संबंधी अन्य प्रयासों के अलावा लगभग 19 मिलियन पेड़ लगाने से बनी अपार हरित संपदा से हमें एनटीपीसी पावर स्टेशनों में और इनके आस–पास पारिस्थितिक तंत्र को सुधारने में सहायता मिली है।

समावेश के साथ वृद्धि

आपकी कंपनी की वृद्धि कार्यनीति के साथ मूल संरचना विकास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, जल आपूर्ति, सेनिटेशन, महिला सशक्तीकरण आदि के क्षेत्रों में विशिष्ट प्रयासों के साथ सामाजिक समावेश एक मार्गदर्शक विशेषता हैं। आपकी कंपनी व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से रोज़गार परकता को बढ़ावा देने में निवेश करती है। इन प्रयासों से परियोजना स्थलों के आस–पास रहने वाली आबादी को लाभ मिला है।

शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों तक पहुंचने के लिए आपकी कंपनी का प्रयास सशक्त जुनून और प्रयोजन के साथ जारी है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को लाभ मिला है।

शासन के साथ वृद्धि, नैतिकता के साथ उत्कृष्टता

आपकी कंपनी द्वारा नैगम शासन पर बहुत अधिक बल दिया जाता है। यह यहां पारदर्शिता और जवाबदेही को अनिवार्य बनाए जाने से पहले इसे बढ़ावा देने के अनेक कदम उठाए गए हैं। इस सक्रिय मार्ग से इसे अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं तथा इससे भी महत्वपूर्ण, स्वदेशी और अंतरराष्ट्रीय, दोनों ही निवेशकों सहित पणधारियों के बीच इसकी एक ठोस कॉर्पोरेट छवि बनी है।

टीम एनटीपीसी की सामूहिक वचनबद्धता

कर्मचारियों की उत्पादकता मानव – मेगावॉट अनुपात वर्ष दर वर्ष में लगातार कमी और प्रति कर्मचारी उत्पादन में वृद्धि से प्रदर्शित होती है। आपकी कंपनी एक मात्र ऐसी पीएसयू है जो प्रतिष्ठित सर्वेक्षणों में 10 सर्वोत्तम नियोक्ताओं के बीच स्थान रखती है।

आभार अभिव्यक्ति

मैं भारत सरकार, खासतौर पर विद्युत मंत्रालय, राज्य सरकारों, हमारे महत्वपूर्ण उपभोक्ताओं, सभी प्राधिकरणों और एजेंसियों के प्रति अपना हार्दिक धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने आपकी कंपनी को निरंतर समर्थन प्रदान किया है। मैं निदेशक मंडल में अपने सहयोगियों की प्रशंसा करता हूँ और उन्हें धन्यवाद देता हूं जिन्होंने कंपनी को सुदृढ़ बनाने में अपने मूल्यवान योगदान दिए हैं। मैं अपने महत्वपूर्ण ग्राहकों और निवेशकों के प्रति कंपनी को दिए गए निरंतर समर्थन के लिए भी धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

लगभग 26,000 दक्ष और वचनबद्ध 'टीम एनटीपीसी' सदस्यों की ओर से मैं आपकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए हमारे संपूर्ण समर्पण और अथक प्रयासों का आश्वासन देता हूँ।

धन्यवाद,

नई दिल्ली
17 सितम्बर, 2013

डॉ. अरुप रॉय चौधरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नोट: उपर्युक्त अभिभाषण एजीएम में अध्यक्ष के भाषण का सारांश है और एजीएम की प्रक्रिया के रिकॉर्ड का अभिप्राय नहीं है। भाषण के सम्पूर्ण पाठ्य हेतु ***www.ntpc.co.in*** देखें।

एनटीपीसी NTPC
एक महारत्न कंपनी

एनटीपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
एनटीपीसी भवन, स्कोप कॉम्पलेक्स, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110 003 वेबसाइट : www.ntpc.co.in